



पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम योगी का सदेश-‘नए यूपी में कानून से उमर कोई नहीं’

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है और पुलिस को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की मिली स्वतंत्रता के कारण प्रदेश उपद्रव से उत्सव का प्रदेश बन पाया है। योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शकंभर पर एक संदेश साझा कर कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ध्वाज पुलिस स्मृति दिवस पर मैं उन सभी वीर पुलिसकर्मी को कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूँ, जिन्होंने देश की सुखशा, समाज की शांति और नागरिकों के जीवन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्तव्य



□ बोले उपद्रव से उत्सव का प्रदेश बना उत्तर प्रदेश

की बेदी पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर पुलिसकर्मियों का शौर्य, साहस और समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा, 2017 से पहले प्रदेश में माफिया का राज था। उस समय अराजक तत्वों के हाँसेल इतने बुलंद थे कि मधुसू के जवाहर बाग में कानून की रक्षा करते हुए वीर पुलिस अधिकारी

पुलिसकर्मियों की भर्ती, प्रशिक्षण क्षमता में 10 गुना वृद्धि, सात बड़े शहरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने, प्रत्येक जिले में साइबर थाने और हर थाने में महिला सहायता कक्ष स्थापित करने से पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम, आधुनिक और जवाबदेह बनी है। योगी ने कहा कि गैंगस्टर अफ़िनियम के तहत 88,973 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त करना अपराध और अपराधियों के विरुद्ध सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

प्रदेश उपद्रव से उत्सव का प्रदेश बना है और पुलिस को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की स्वतंत्रता मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2.26 लाख से अधिक

भारतीय सेना को मिलेंगे अत्याधुनिक हल्के रडार भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ 770 करोड़ का किया करार

एजेंसी, नयी दिल्ली। दुश्मन के सड़क विमानों और छोटे ड्रोन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भारतीय सेना की क्षमता और मजबूत होने जा रही है। रक्षा मंत्रालय ने बेहतर क्षमता वाले हल्के रडार खरीद के लिए अनुबंध किया है। इसके लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ करीब 770 करोड़ रुपये का करार किया गया है। इन रडार की मदद से लड़ाकू विमान के आकार वाले हवाई लक्ष्यों के साथ छोटे और सूक्ष्म ड्रोन का भी पता लगाया जा सकेगा। इन रडार से मानवरहित हवाई प्रणालियों से पैदा होने वाले खतरों का मुकाबला करने में सेना को मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय ने यह करार 21 अक्टूबर को नयी दिल्ली में



रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में किया। इसके तहत बेहतर क्षमता वाले हल्के रडार खरीद का भी पता लगा सकें। आधुनिक युद्ध में मानवरहित हवाई प्रणालियों का इस्तेमाल एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऐसे में इन रडार की मदद से सेना को हवाई खतरों की पहचान करने और उनके अनुसार कार्रवाई की तैयारी करने में मदद मिलेगी।

मोदी कैबिनेट विस्तार से पहले पीएम देखेंगे मंत्रालयों का रिपोर्ट कार्ड

कैबिनेट अजला से बुलाई सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक

एजेंसी नई दिल्ली। हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बनाने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिकार्ड एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखाई दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों से उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट ली जाएगी। वह समग्र रिपोर्ट प्रधानमंत्री तक जाएगी, जिसके बाद ईज आफ डूइंग और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं।

एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर पूरी रिपोर्ट तैयार की जाए। 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव द्वारा सभी मंत्रालयों के सचिवों से क्रमवार जानकारी लेकर कामकाज की समीक्षा की जाएगी। बताया गया है कि यह रिपोर्ट पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक के बाद कुछ निर्णय किए जा सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी लगातार रिकार्ड, परफार्मेंस और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि व्यापार करने में सुगमता के साथ ही ईज आफ लिविंग यानी जीवन जीने में

सुगमता शहरों के साथ ही कस्बों और गांवों तक भी पहुंचनी चाहिए। सरकार के इस ताजा प्रयास को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष का आंदोलन इसी थीम पर चल रहा है कि सरकार के प्रति जनता के विश्वास को कम किया जाए। इसी आधार पर रिजोम चेंज जैसे असहैतानिक दावे भी किए जा रहे हैं। वहीं, सरकार का प्रयास है कि अब तक जिस तरह से जनता के हितों को केंद्र में रखकर योजनाओं धरातल पर उतारा गया है, उन्हें सेंचुरेशन मोड पर पहुंचाया जाए। पिछले दिनों इसके लिए देशभर में जनता से जुड़ी योजनाओं से संबंधित विभागों के शिबिर भी लगाए गए। साथ ही पीएम मोदी रिकार्ड एक्सप्रेस का भी गियर बदल सकते हैं।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने बेरोजगारी को लेकर की पुतला दहन की कोशिश होगी छुट्टी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में 68,500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण विसंगति के खिलाफ आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने विजयादशमी के दिन इको गार्डन में दशहरा मनाया। आंदोलन के 50वें दिन अभ्यर्थियों ने आरक्षण संबंधी विसंगतियों के विरोध में प्रतीकात्मक पुतला दहन करने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच नोकझोंक हुई। इसके बाद अभ्यर्थियों ने विरोध जलाते हुए भर्ती में न्याय और जल्द नियुक्ति की मांग दोहराई। अभ्यर्थियों का कहना था कि वे विजयादशमी पर आरक्षण विसंगतियों के प्रतीकात्मक रावण का पुतला जलाकर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देना चाहते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री और बेसिक शिक्षा मंत्री से भर्ती का शेड्यूल जल्द जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। साथ ही, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की संरुति के अनुसार जिम्मेदार लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ विधिबिम्ब कार्रवाई की मांग की। अभ्यर्थी आशुतोष वर्मा ने कहा कि उनकी नवरात्रि और दशहरा इको गार्डन में आंदोलन करते हुए बीता है। वे चाहते हैं कि दीपावली अपने परिवार के साथ खुशी से मना सकें। इसके लिए सरकार को जल्द नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए।

उत्तराखंड के मदरसों में अब शुक्रवार को नहीं होगी छुट्टी

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड में शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने वाले और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मदरसों की साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। राज्य के 206 मदरसों में अब शुक्रवार को साप्ताहिक छुट्टी नहीं होगी। इन संस्थानों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू की जाएगी। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण का कहना है कि विभाग से मान्यता लेने वाले मदरसों को निर्धारित शैक्षिक मानकों और नियमों का पालन करना होगा।

सौरव दास और आशुतोष रांका को मिली जमानत लिखित माफीनामे और शपथ पत्र के बाद रिहाई

एजेंसी नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरव दास और आशुतोष रांका के लिए बुधवार का दिन बेहद अहम रहा। बीते सात दिनों से तिहाड़ जेल में बंद दोनों सीजेपी नेताओं को जमानत मिल गई। सौरव दास और आशुतोष रांका से लिखित माफीनामा और शपथ पत्र लेने के बाद इनको जमानत पर छोड़ा गया है। करीब

डेढ़ घंटे तक चली सुनवाई के बाद स्पेशल एजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने फैसला सुन्रहित रख लिया और फिर दोनों को जमानत का फैसला सुनाया। इसके लिए कड़ी सुरक्षा घेरे के बीच सीजेपी के दोनों सहसंयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका को पेशी के लिए मंदिर मार्ग स्थित स्पेशल एजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की कोर्ट में लाया गया था। इन दोनों की इस

कोर्ट में यह तीसरी पेशी है। पिछली दो पेशियों में दोनों की जमानत खारिज कर दी गई थी। यहां तीसरी बार बैर बॉन्ड भरवाने के बाद सुनवाई शुरू हो गई है। आज अगर दोनों के जमानती से कोर्ट संतुष्ट हो जाएगी तब इन्हें जमानत पर छोड़ा जा सकता है। सही जमानती पेश नहीं करने पर तीसरी बार भी इन्हें जेल भेजा जा सकता है।

cmf by NOTHING

AVAILABLE IN:

CMF PHONE 1

FROM ₹17,999

₹14,999*

WONDERFUL BY DESIGN

रावण की नाभि में तीर लगते ही एनटीपीसी ऊंचाहार के आकाश में छाई रंगीन छटा

ऊंचाहार। हर्ष, उल्लास और आस्था का पर्व दशहरा पर एनटीपीसी ऊंचाहार का रावण दहन एसे ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना जिसने काली अखेरी रात में आसमान को रंगीन आकर्षक छटा बिखेर दी। बुराई पर अछाई की जीत, सत्य की विजय और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश देने वाला पर्व बड़े हर्षोल्लास, आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर पूरे परिवार में उत्साव और उल्लास का माहौल देखने को मिला। स्टैंडियम में आयोजित रामरु रावण युद्ध के बीच मनचने में रावण दहन के साथ रावण का अट्टहास था गया। आकर्षक आतिशबाजी एवं विशाल रावण दहन ने उपस्थित जनसमूह को



मंत्रमुग्ध कर दिया। आसमान पर आतिशबाजी की सरगरी छटा छा गई। जय श्रीराम के जयघोष के बीच बुराई के प्रतीक रावण का दहन अछाई की विजय का संदेश दे गया। इस अवसर पर

परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक बिस्व मोहन सिंह ने कहा कि, विजयादशमी हमें अपने जीवन और कार्यक्षेत्र में सकारात्मकता, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने

की प्रेरणा देती है। एनटीपीसी ऊंचाहार भी राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए विकासित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। आइए, हम

सभी अपने सामूहिक प्रयासों से देश की प्रगति में योगदान दें।' एनटीपीसी प्रबंधन, मानव संसाधन विभाग, कर्मचारी युनियन, कार्यकारी एसोसिएशन तथा पर्व आयोजन समिति 2026/27 के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के समन्वित प्रयासों से महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन ने एनटीपीसी परिवार और आसपास के जनसमुदाय को एक सूत्र में बँधते हुए भारतीय संस्कृति, सामूहिक एकता एवं सामाजिक सौहार्द की भावना को और सुदृढ़ किया।

आस्था की ज्योति, संस्कृति की गरिमा और एकता के संदेश के साथ विजयादशमी का यह उत्सव सभी के मन में सकारात्मकता एवं नई ऊर्जा का संचार कर गया।

रामकोट थाना क्षेत्र के सत्यम नगर में देर रात दिखे तीन सद्विध लोग मोहल्ले में दहशत।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता सीतापुर। रामकोट थाना क्षेत्र के नवीन बौक के पास स्थित सत्यम नगर मोहल्ले में देर रात तीन सद्विध लोगों के दिखाई देने से मोहल्लेवासियों में दहशत का माहौल बन गया। सद्विध लोगों की मौजूदगी से स्थानीय लोग सतर्क हो गए और सुरक्षा को लेकर चिंता जताने लगे।

मोहल्लेवासियों ने क्षेत्र में रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाने तथा सद्विध गतिविधियों पर नजर रखने की अपेक्षा जताई है। फिलहाल तीनों लोगों की



पहचान और उनके वहां आने के उद्देश्य के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की पुष्टि और वास्तविक स्थिति पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

ऊंचाहार के शिल्पकार थे ठाकुर दलबहादुर सिंह

लोक हस्तक्षेप संवाददाता ऊंचाहार , रायबरेली। देश की आजादी के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, ऊंचाहार के विकास प्रेरण एवं युगपुरुष स्वामी ठाकुर दलबहादुर सिंह जी की 117वीं जन्मजयंती के अवसर पर

स्वतंत्रता सेनानी, जनसेवक एवं केंद्र के प्रेरणास्रोत के रूप में नमन किया।

ठाकुर दलबहादुर सिंह जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध अनेक आंदोलनों में भाग लिया और कई बार जेल

रोजगार दिलाने में उनके योगदान को स्मरण किया गया।

समा में अरुण सिंह चंदेल (कन्यारानी), शिवरत्नराज तिवारी, पूर्व प्रवक्ता हरिनारायण इंटर कॉलेज ऊंचाहार, नीरजा सिंह



गए। आजादी के बाद भी उन्होंने ऊंचाहार के विकास के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए। क्षेत्र में एनटीपीसी, शारदा सहकारी नहर एवं ऊंचाहार एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लाने, अनेक नामों के निर्माण तथा संकल्पों को शिक्षक के रूप में

समर्पण को याद करते हुए उन्हें शत-शत नमन किया। कर्णवी सेना 'भारत' ने इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को महान स्वतंत्रता सेनानियों के संचर्ष, त्याग और समाज के प्रति उनके योगदान से प्रेरणा देने का संदेश दिया।

लखीमपुर खीरी में धूमधाम से मनाया गया आजाद हिंद सरकार का स्थापना दिवस

21 अक्टूबर को राष्ट्रीय दिवस घोषित करने की उठी मांग

लखीमपुर खीरी। नगर के सुभाष पार्क में अखिल भारतीय सुभाषवादी जनता, श्री वेदमता गायत्री प्रचार समिति और सुभाष सेवा समिति के संयुक्त तत्वाकान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा स्थापित स्वजाद हिंद सरकार का स्थापना दिवस अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। राष्ट्रभक्तों ने इस ऐतिहासिक दिन को खूबशद भारत के स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया।

कार्यक्रम की शुरुवात प्रातः 9 बजे हुई, जहाँ समासद



कुमुदेश शंकर शुक्ल ने आजाद हिंद सरकार का शस्त्रिगण दिहांगर (उपलब्ध हुआ बाबा) दिहाङ्कित ऐतिहासिक राष्ट्रीय

ध्वज फहराया। इसके बाद उपस्थित जनसमूह ने संयेंद स्वरों में आजाद हिंद फौज का राष्ट्रीय गान श्रुम सुख चीन

की बरथा बरसेर गया। 8 वजाराहलोग के उत्सवश्चात सभी उपस्थित लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर जनपद के वरिष्ठ सुभाषवादी विद्यासागर ने आजाद हिंद सरकार की स्थापना के इतिहास और उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री वेदमता गायत्री प्रचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष प. राजेश दीक्षित ने अपने संबोधन में कहा

साकेत धाम में कैकेयी,मंथरा संवाद ने बढ़ाई रामलीला की भावनात्मक धार,वनगमन प्रसंग ने दर्शकों को किया भावविभोर

स्वामी सुरेश ठाकुर बृजवासी के निर्देशन में सजी रामलीला

लोक हस्तक्षेप संवाद उन्नाव। साकेत धाम श्री रामलीला मैदान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की लीला का मंचन श्राव, मक्ति और भावनाओं के बीच किया जा रहा है। इसी क्रम में कैकेयी,मंथरा संवाद और वन गमन प्रसंग ने रामलीला को विशेष भावनात्मक गहराई प्रदान की। स्वामी सुरेश ठाकुर बृजवासी के निर्देशन में कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय और सजीव मंचन से दर्शकों को रामकथा के महत्वपूर्ण प्रसंगों से स्पर्श करवाया (लीला के दौरान कैकेयी,मंथरा संवाद के माध्यम से घटनाक्रम ने नया मोड़ दिया, यहाँ वनगमन प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर किया। कलाकारों के संवाद, अभिनय और मंचन प्रस्तुति को दर्शकों ने सराहा। रामलीला देखने पहुंचे



दर्शकों का कहना था कि इस बार कलाकारों का अभिनय कर रहे हैं और प्रत्येक प्रसंग का मंचन प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। दर्शकों ने रामलीला की प्रस्तुति और कलाकारों के अभिनय की प्रशंसा करते हुए आयोजन की सराहना की। साकेत

धाम श्रीरामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय राठी एवं महामंत्री शशक अखरी सहित कमेटी के पदाधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद थे। इनमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश अखरी, जगन्नाथ यात्रा के अध्यक्ष रामप्रकाश चौंसठिया, संतान मंत्री कु. अजय सिंह, उपाध्यक्ष

जसवंत सिंह, कोषाध्यक्ष जगदीश महावीर, प्रबंधक संजीव गुप्ता उर्फ राजू भीया, व्यक्ता प्रमुख कोषाल किशोर यादव, मंत्री प्रेम मिश्रा, संयुक्त मंत्री इंद्र प्रकाश अखरी एवं विनय राठी शामिल रहे। इससे अतिरिक्त कृष्ण मिश्रा मोती श्याम, शशिकान्त गुप्ता, सुंदर कुमार वर्मा, अश्विनी गुप्ता (मौलाना), परकाश प्रमाण मिश्रा, डॉ. मनीष सिंहरा, श्याम जी गुप्ता एवं नीतीश कुमार श्रीरामसेन भी उपस्थित रहे। हावैत धाम में आयोजित रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों परस्परविश्व संबंधों, कर्तव्य और त्याग के संदेश को मंच पर जीवंत किया जा रहा है। आकर्षक प्रस्तुति और कलाकारों के अभिनय के चलते रामलीला दर्शकों के बीच विविध आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

पत्नी परमानसिक रूप से परेशान करने और झूठा मुकदमा लिखवाने का आरोप, एसपी से लगाई न्याय की गुहार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता उन्नाव। सदर कोर्टवाली क्षेत्र निवासी संदीप कुमार ने झुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर उससी के मुख्यालय की और अपनी पत्नी के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर निष्ठा जांच व उचित कार्रवाई की मांग की। पीछित संदीप कुमार का आरोप है कि उनकी पत्नी उन्हें मानसिक रूप से परेशान कर रही है। उन्होंने



कहना है कि उनकी खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है और उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। संदीप के मुताबिक, शिकायत करने के बावजूद उल्टा उनके खिलाफ ही मुकदमे दर्ज हो जाते हैं। संदीप कुमार ने आशंका जताई कि यदि निष्ठा जांच का पता चल रहा है तो इससे लिए उनका सहयोगी जिम्मेदार होंगे। इसी को लेकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करारकर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। फिलहाल, मामले में पीछित की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच पैसे लेने की बात आती है तो उनकी पत्नी उन्हें अपना पति बताती है, जबकि मुकदमा दर्ज करता समय उन्हें अनजाना

बाताया जाता है। उनका कहना है कि उनकी खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है और उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। संदीप के मुताबिक, शिकायत करने के बावजूद उल्टा उनके खिलाफ ही मुकदमे दर्ज हो जाते हैं। संदीप कुमार ने आशंका जताई कि यदि निष्ठा जांच का पता चल रहा है तो इससे लिए उनका सहयोगी जिम्मेदार होंगे। इसी को लेकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करारकर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। फिलहाल, मामले में पीछित की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच पैसे लेने की बात आती है तो उनकी पत्नी उन्हें अपना पति बताती है, जबकि मुकदमा दर्ज करता समय उन्हें अनजाना

उन्नाव। रायबरेली-उन्नाव हाईवे पर बॉक्स में मिले युवक के शव की पुलिस ने खुलासा किया है। मंगलवार को सोनू की हत्या उसकी पत्नी ने पड़ोसी किरायेदार के साथ मिलकर की। हत्या के बाद शव को चादर और कब्र में लपेटकर लोहे के बॉक्स में बंद किया गया। फिर विकसय से लाकर हाईवे किनारे फेंक दिया गया। सोनू (30) की पत्नी निधा (42) का पड़ोस के रहने वाले वितेंद्र से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पति सोनू से नेहा की आए दिन इसी बात को लेकर विवाद होता था। जिसको लेकर पत्नी और प्रेम ने हत्या करने की साजिश



रखी। मंगलवार को रात 8 बजे हत्या करने के बाद शव बॉक्स में डाल करके पिकअप में लोड करके हाईवे किनारे छोड़ घर आ गए। पुलिस ने छुववार को सबूत जांच पड़ताल कर नेहा, प्रेमि ने हत्या करने की साजिश

किनारे एक सद्विध बॉक्स रखे होने की सूचना मिली। पुलिस ने बॉक्स खोला तो उसमें चादर और कब्र में लिपटा खून से लथपथ युवक का शव मिला। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लोग सीसीटीवी की फुटेज खंगाली। इसमें एक छोटा हल्दी लोडर गदहनखेड़ा की ओर से बॉक्स लेकर आता और कुछ समय बाद बिना बॉक्स के कानपुर की तरफ जाता दिखाई दिया। बता दें कि पुलिस ने आसपास के मार्गों पर लगे एनपीआर कैमरों की फुटेज की मदद से लोडर का नंबर यूपी 35 एए 1938 ट्रेस किया। पिकअप

राजेश गुप्ता के नाम पर पंजीकृत मिला। इसके बाद पुलिस ने ताहिल और उसके जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि 20 अक्टूबर को नेहा ने किराये का कमरा खाली करने और सामान दूसरी जगह पहुंचाने के लिए 1200 रुपये में पिकअप सेवा लिया था। पुलिस ने नेहा से फुटाछ की तो हत्या की साजिश बाद बिना बॉक्स के कानपुर की तरफ जाता दिखाई दिया। बता दें कि पुलिस ने आसपास के मार्गों पर लगे एनपीआर कैमरों की फुटेज की मदद से लोडर का नंबर यूपी 35 एए 1938 ट्रेस किया। पिकअप

राजेश गुप्ता के नाम पर पंजीकृत मिला। इसके बाद पुलिस ने ताहिल और उसके जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि 20 अक्टूबर को नेहा ने किराये का कमरा खाली करने और सामान दूसरी जगह पहुंचाने के लिए 1200 रुपये में पिकअप सेवा लिया था। पुलिस ने नेहा से फुटाछ की तो हत्या की साजिश बाद बिना बॉक्स के कानपुर की तरफ जाता दिखाई दिया। बता दें कि पुलिस ने आसपास के मार्गों पर लगे एनपीआर कैमरों की फुटेज की मदद से लोडर का नंबर यूपी 35 एए 1938 ट्रेस किया। पिकअप

बीजेपी को लग सकता है झटका, सहयोगी दे सकते गच्चा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों के बीच भारतीय जनता पार्टी के लिए अपने ही सहयोगी नंद से मुक्ति खड़ी होनी जरूर आ रही है। दिल्ली के तालकटोरा स्टैंडियम में महासम्मेलन के दौरान निषाद पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने बीजेपी को कड़ी कावनी दी है। मछड़ा सरकार के आखिर के मूक पर उन्होंने साफ कर दिया है कि यदि जल्द ही इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो उनकी पार्टी अन्य राजनीतिक विकल्प तलाशने पर मजबूर हो जाएगी। संजय निषाद ने कहा, साथ ही वे, जो अखिल की बात होनी। बीजेपी को जल्द निर्णय लेना होगा। निर्णय नहीं हुआ तो दूसरा दरवाजा देखें। संजय निषाद ने दावा किया कि निषाद समाज के बिना राज्य में कोई भी सत्ता पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी और समाजवादी पार्टी दोनों ही उनका समर्थन चाहते हैं। चुनाव से ठीक पहले संजय निषाद के आक्रमक तवर ने एनडीए गठबंधन के भीतर खलबली मचा दी है।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता उन्नाव। डीवीडीटी इंटर कॉलेज एबी नगर उन्नाव में एक मार्गदर्शन शिविर का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय, उन्नाव द्वारा किया गया। सभी अन्यस्थितियों को जिला सेवायोजन अधिकारी कार्यालय से अनुमति सहित अतिथि प्रवक्ता मुख्यमंत्री अनुपम्य योजना उन्नाव एवं बीजप-कुल्ला (यूपी कै कै अधिकारी) ने बताया है कैरियर काउंसिलिंग अनुपम्य को रोजगार की मांग के अनुसंधान संस्थापक विभाग द्वारा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के अवसरों की समीक्षा जानकारी प्रदान करने हेतु शिक्षण संस्थाओं में कैरियर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता उन्नाव। डीवीडीटी इंटर कॉलेज एबी नगर उन्नाव में एक मार्गदर्शन शिविर का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय, उन्नाव द्वारा किया गया। सभी अन्यस्थितियों को जिला सेवायोजन अधिकारी कार्यालय से अनुमति सहित अतिथि प्रवक्ता मुख्यमंत्री अनुपम्य योजना उन्नाव एवं बीजप-कुल्ला (यूपी कै कै अधिकारी) ने बताया है कैरियर काउंसिलिंग अनुपम्य को रोजगार की मांग के अनुसंधान संस्थापक विभाग द्वारा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के अवसरों की समीक्षा जानकारी प्रदान करने हेतु शिक्षण संस्थाओं में कैरियर



पाठ्यक्रम की जानकारी दी जाती है। सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी श्रीमती आस्था द्वारा मुझ रूप से सितिव सेवा की प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी प्रदान

की गयी कार्यालय द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध। कराने हेतु बेरोजगारों एवं नियोजकों को एक ही स्थान पर एकत्र कर रोजगार में लाने का

का चयन करने को सुझाव उपलब्ध। रहती है। उनको निशुल्क कोचिंग प्रक्रिया काउंसिलिंग समर्थ-समर्थ पर उपलब्ध रहेंगी। सेवाभिन्न

तीन वर्ष के लिए मान्य होता है मुख्यमंत्री अनुपम्य योजना उन्नाव में आप प्रतियोगी परीक्षाओं में कोर्स के जिले स्तर पर जो कोचिंग दी जा रही जो भी निशुल्क कोचिंग का लाभ लेने की कोचिंग में रजिस्ट्रेशन और मार्गदर्शन कर निष्ठाका अपना प्रश्न कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय, उन्नाव से सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. विष्णु प्रसाद सिंह, जिला सेवायोजन के अधिकारी मेरंसे कुमार, श्रीकंठ से जनकरी कर सकते हैं।

[illegible]

सत्यंत प्रेम पर आधारित है।
 दासीनिक ज्यो-पहिल सातों और
 सिमाने द बंगलाजिये ये विचारकों
 का मानना था कि यिद परताने विचार
 विचार किसी के लिए मानसिक
 तनाव या हितों का कारण बन रहा
 है, तो हियर-इन को एक ऐसे
 विकल्प के रूप में देखा जा
 सकता है, जो बिना कानूनी
 जटिलताओं (जैसे तलक की
 विली प्रक्रिया) के अलग होके भी
 आजादी देता है। कुछ शब्द बताते
 हैं कि वैवाहिक कानूनों की
 जटिलताओं, भरप-पठन जैसी
 बाधाओं और अशुभ-पठन जैसी
 प्रक्रियाओं को बदलने ही लोग
 रिश्ता नया ही बनाए रखने के

हैं। दहेज का भारी खर्च
 परिवार पर विवाद छोड़ना
 रिखावटी प्रवृत्ति से विवाह का
 भ्रमन से अधिक हो जाता है।
 बाद सामाजिक मान्यता की
 आर्थिक आजादी और कैरियर
 का कारण से दूर रहने वाले
 इसकी स्पष्टता नहीं करते। स
 हैं उन्हे उन्हे व्यवहार मानते
 मान्यता नहीं देते।
 दीर्घकालिक प्रविष्टिवाद को
 के चलते ऐसे रिश्ते अमूमन
 मंड पर खल्ले होते हैं, जहाँ
 सभ राखत बंद हो चुके होते
 महाराष्ट्र में सामान नाग
 स हिता और निर्वाह
 निर्वाहनापन से जुडे मुद्दों
 को तो पण समझते हैं।

की होने खेलकूद
तथा स्थगित

रोजाना करें क्रैब वॉक एक्सरसाइज, मिलेंगे बेहतरीन फायदे

क्रैब वॉक एक ऐसा एक्सरसाइज है, जो न केवल आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, बल्कि आपके पूरे शरीर को संतुलित और स्वस्थ रखता है। यह एक्सरसाइज आपके शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और रोजमर्रा की गतिविधियों में सहायक होता है। क्रैब वॉक करने से आपके कंधे, पीठ, पेट और पैरों की मांसपेशियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आइए आज हम आपको इस एक्सरसाइज के कुछ बेहतरीन फायदों के बारे में बताते हैं।

कंधों और पीठ को मजबूत बनाता है

क्रैब वॉक करते समय आपके कंधे और पीठ की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। इस एक्सरसाइज से आपके कंधों की ताकत बढ़ती है और पीठ की मांसपेशियों पर अच्छा असर पड़ता है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपकी मुद्रा सही रहती है और कंधों में जाम होने वाली समस्या से राहत मिलती है। इसका अलावा यह एक्सरसाइज पीठ की मांसपेशियों को मजबूती देता है, जिससे पीठ दर्द की

समस्या कम होती है। पेट की चर्बी घटाने में है मददगार

क्रैब वॉक एक बेहतरीन



काईयो एक्सरसाइज है, जो पेट की अतिरिक्त चर्बी को घटाने में मदद करता है। इस एक्सरसाइज से आपका दिल तेजी से धड़कता है, जिससे कोलेरी बर्न होती है और पेट की चर्बी घटती है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी कम होती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे पेट का आकार भी सुधरता है।

संतुलन बनाए रखने में है सहायक

क्रैब वॉक करते समय आपके पैर और हाथ एक-दूसरे के विपरीत चलते हैं, जिससे आपका संतुलन बेहतर होता है।

यह एक्सरसाइज आपके शरीर की स्थिरता और संतुलन क्षमता को बढ़ाता है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका शरीर स्थिर रहता है और रोजमर्रा की गतिविधियों में भी आसानी होती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पैरों और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे आपका संतुलन और भी बेहतर होता है।

मानसिक सेहत के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज हमेशा मानसिक सेहत के लिए फायदेमंद होता है और क्रैब

वॉक भी इससे अछूता नहीं है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका मूड बेहतर होता है, तनाव कम होता है और मानसिक स्पष्टता मिलती है। यह एक्सरसाइज आपको ऊर्जावान महसूस कराता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपकी मानसिक शक्ति को भी मजबूत करता है, जिससे आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं और जीवन में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होते हैं। लचीलेपन को बढ़ावा देता

है क्रैब वॉक करते समय आपके शरीर की सभी मुख्य मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जिससे लचीलापन बढ़ता है। इस एक्सरसाइज से आपकी जांघों, कुल्हों और कंधों की लचक सुधरती है। नियमित रूप से क्रैब वॉक करने से आपका शरीर अधिक लचीला बनता है, जिससे रोजमर्रा की गतिविधियों में आसानी होती है। इस प्रकार क्रैब वॉक एक सरल लेकिन प्रभावी एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

अल्लारी नरेश की भक्ति फिल्म कन दुर्गा का पहला पोस्टर जारी, भगवा वस्त्रों में भक्ति भाव से नृत्य करते नजर आए अभिनेता

दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लारी नरेश की आगामी भक्ति प्रान फिल्म स्कनक दुर्गा का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। पोस्टर में अभिनेता भगवा वस्त्र पहने भक्ति भाव में दुबकर नृत्य करते दिखाई दे रहे हैं। उनका यह रूप आस्था, आध्यात्मिका और देवी कनक दुर्गा की दिव्य उपस्थिति से प्रेरित कहानी की झलक पेश करता है। नवरात्र और दशहरा उत्सव के अवसर पर जारी किए गए इस पोस्टर के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म में अल्लारी नरेश के साथ काजल चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसका निर्देशन प्रदीप मद्दाली ने किया है, जबकि बीबीएस रवि ने कहानी लिखने के साथ इसके निर्माण की जिम्मेदारी भी संभाली है। बिस्वा स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और टेम्पल टाउन पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में भक्ति के साथ एक्शन, भावनात्मक घटनाक्रम और संगीत

का मेल देखने को मिलेगा। स्कनक दुर्गा में देवी के प्रति श्रद्धा और आध्यात्मिक आस्था को केंद्र में रखा गया है। फिल्म निर्माताओं का उद्देश्य धार्मिक भावनाओं को मनोरंजक कहानी, प्रभावशाली दृश्यों और संगीत के माध्यम से बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है। पहले पोस्टर में अल्लारी नरेश का भक्तिपूर्ण अंदाज फिल्म की विषयवस्तु की ओर संकेत करता है। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी प्रसिद्ध संगीतकार थमन एस को सौंपी गई है। निर्माताओं ने इसे अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित करने की योजना बनाई है, ताकि विभिन्न भाषाओं के दर्शक भी इस कहानी से जुड़ सकें। फिलहाल स्कनक दुर्गा का निर्माण कार्य जारी है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म को पहले दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद यह विशेष रूप से जी5 तेलुगु पर प्रसारण के लिए उपलब्ध होगी।

अभिनेत्री आफिया सैयद ने प्रेम कीटाणु से बॉलीवुड में किया डेब्यू, अब तेलुगु में जलवे बिखरने के लिए हुई तैयार

अभिनेत्री आफिया सैयद ने हाल ही में प्रेम कीटाणु से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इस रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म में सुहानी का किरदार निभाने के बाद आफिया एक और चुनौती के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही एलियास रुविमणी से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं, जिसमें वह निधिन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। टॉलीवुड में कदम रखने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि एलियास रुविमणी के साथ तेलुगु में डेब्यू करना किसी सपने जैसा लग रहा है। मुस्ली सर एक बेहतरीन विजनरी हैं, और वह तथा युनानिमस प्रोडक्शंस की टीम सच में कुछ बहुत खास बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। एलियास रुविमणी को नेचुरल स्टार नानी अपने प्रोडक्शन हाउस युनानिमस प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि निधिन के साथ काम करना और नानी सर का प्रोड्यूसर होना, सच में बहुत बड़े सम्मान की बात है। हम इस फिल्म को पूरे दिल से बना रहे हैं और 4 दिसंबर को इसे दुनिया के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नानी और दीपिा दत्ता द्वारा प्रोड्यूस की गई और मुस्लीकांत देवसोय द्वारा निर्देशित यह तेलुगु ड्रामा फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है। हाल ही में एक्ट्रेस रवीना टंडन ने प्रेम कीटाणु के साथ इंडस्ट्री में कदम रखने पर आफिया सैयद की तारीफ की और खुद को सबसे गर्व करने वाली मौसी बताया। आफिया के समर्पण और दृढ़ संकल्प की तारीफ करते हुए रवीना ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि बधाई हो आफिया, डेर सारा प्यार, आशीर्वाद और तुम्हारी दिल की हर इच्छा पूरी हो। मैंने तुम्हें अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से मेहनत करते देखा है। रास्ते में रुकावटें आईं, लेकिन तुमने कभी अपना फोकस नहीं खोया। अकेले, मजबूती से उठ रही। उन्होंने कहा कि जीत की मंजिल तक पहुंचने के उस कदम मीके के लिए हर मुश्किल का सामना किया। आज तुम्हें स्क्रीन पर पूरे जलवे के साथ देखकर मुझे सबसे ज्यादा गर्व हो रहा है। डेर सारा प्यार बेटा और ईश्वर तुम पर अपनी कृपा बनाए रखें। हमारे डेर सारे प्यार के साथ, फिल्मों की दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, तुम यहाँ जाओ के लिए आई हो।



मटका किंग के दूसरे सीजन में और प्रभावशाली होगी गुरुलूख, कृतिका कामरा फिर निभाएंगी अहम भूमिका

अभिनेत्री कृतिका कामरा हमेशा से ऐसे महिला किरदार निभाना पसंद करती आई हैं, जिन्हें किसी एक पहचान, विचार या दायरे में सीमित नहीं किया जा सकता। उनके लिए ऐसे किरदार खास हैं जिनमें भावनात्मक गहराई अपने फैंसले लेने की स्वतंत्रता और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की आंतरिक शक्ति दिखाई देती है। अपने अभिनय सफर में कृतिका ने ऐसी महिलाओं की कहानियों को प्रामाणिकता दी है, जो परंपरागत सोच को चुनौती देती हैं और सामाजिक तथा भावनात्मक जटिलताओं के बीच अपनी पहचान बनाने का प्रयास करती हैं। इसी कड़ी में उनकी चर्चित श्रृंखला मटका किंगव का गुरुलूख किरदार भी शामिल है। पहले सीजन में गुरुलूख की भूमिका के लिए साराहना हासिल करने के बाद कृतिका अब दूसरे सीजन में एक बार फिर इस किरदार के रूप में दर्शकों के सामने आएंगी। आगामी सीजन में गुरुलूख की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली होने वाली है। कृतिका के अनुसार, गुरुलूख की सबसे खास बात यह है कि उसकी ताकत को किसी पारंपरिक रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है। वह ऐसी महिला है, जिसका व्यक्तित्व उसकी परिस्थितियों से प्रभावित होता है, लेकिन उन्हीं परिस्थितियों के बीच वह अपने फैंसले लेने, अपनी अहमियत पहचानने और अपनी अलग पहचान बनाने की क्षमता भी विकसित करती है। गुरुलूख के किरदार के प्रति अपने आकर्षण के बारे में कृतिका कामरा कहती हैं कि वह हमेशा ऐसी महिलाओं की भूमिकाओं की ओर खिंची चली आई हैं, जिनका व्यक्तित्व जटिल होता है और जिनमें कई तरह की भावनाएं तथा विरोधाभास मौजूद होते हैं। उनके मुताबिक, गुरुलूख में कमजोरी, महत्वकांक्षा, सम्मझदारी और मजबूती जैसे अलग-अलग गुण एक साथ दिखाई देते हैं। यही विविधता उसका व्यक्तित्व को गहराई देती है और उसे अभिनेत्री के लिए खास बनाती है। कृतिका का मानना है कि किसी महिला किरदार की वास्तविक पहचान केवल उसकी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों के बीच लिए गए उससे फैसलों और उसका बदलते दृष्टिकोण से भी बनती है।



जेलर 2 की आंधी में रणबाली ने बनाया रिकॉर्ड बनी विजय देवरकोंडा की चौथी बिगैस्ट ओपनर

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रजनीकांत की फिल्म रजेलर 2व का दबदबा देखने को मिल रहा है। इसके प्रदर्शन का असर रद्द श्याम 3व, वनल नवेलीय और श्रद्धास्व जैसी फिल्मों के कारोबार पर भी पड़ रहा है। दक्षिण भारतीय बॉक्स ऑफिस पर रजेलर 2व के साथ विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म रणबालीव की उल्कावर दखने को मिली। हालांकि, रजनीकांत की फिल्म के सामने रणबालीव पहले दिन दो अंकों में शुद्ध कमाई करे और भारत में 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल नहीं हो सकी। इसके बावजूद फिल्म ने वैश्विक स्तर पर अच्छी प्रकृष्टात दर्ज की है। व्यापार संबंधी रिपोर्टों के अनुसार, रणबालीव ने रिलीज के पहले दिन भारत में 9.25 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। वहीं, देश में इसका कुल सकल कारोबार 10.92 करोड़ रुपये रहा। विदेशों में फिल्म ने 5.75 करोड़ रुपये कमा। इस तरह पहले दिन इसका वैश्विक कारोबार 16.67 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रणबाली विजय देवरकोंडा के करियर के लिए शुरुआती कमाई के लिहाज में महत्वपूर्ण साबित हुई है। रिपोर्टों के मुताबिक, यह कोविड महामारी के बाद रिलीज हुई उनकी फिल्मों में पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी फिल्म बन गई है। इसने उनकी

फिल्म शद फैमिली स्टारव की शुरुआती कमाई को पीछे छोड़ दिया है। विजय देवरकोंडा की फिल्मों की पहले दिन की कमाई के मामले में शकिंगडमव लगभग 17 करोड़ रुपये के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद श्लादगव 15.95 करोड़ रुपये और रकुशीव 15.25 करोड़ रुपये की शुरुआती कमाई के साथ सूची में शामिल हैं। रणबाली ने 9.25 करोड़ रुपये के शुद्ध कारोबार के साथ इस सूची में अपनी जगह बनाई है। रणबाली रश्मिका मंदाना के करियर के लिए भी अहम मानी जा रही है। फिल्म ने अभिनेत्री की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की शीर्ष 10 सूची में जगह बनाई है। कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, यह सूची में दसवें स्थान पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रश्मिका की रशीता रामव के पहले दिन के 2.85 करोड़ रुपये के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, फिल्म का आगे का प्रदर्शन दर्शकों की प्रतिक्रिया और आने वाले दिनों में कमाई की रफ्तार पर निर्भर करेगा। रणबाली एक भारतीय ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक्शन-ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन राहुल सांकृत्यायन ने किया है। फिल्म में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश में होता है ये अंतर, जानिए इनके बारे में

शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश का सहारा लिया जा सकता है। हालांकि, कई लोगों के लिए ये तीनों तकनीकों एक ही तरह की लगती हैं, लेकिन वास्तव में ये तीनों अलग हैं और इनका इस्तेमाल करने का तरीका भी अलग है। आइए आज हम आपको तीनों तकनीकों के इस्तेमाल और इनके बीच के अंतर के बारे में विस्तार से बताते हैं ताकि आप इनसे जुड़ी किसी भी भ्रम की शंका में न आए।

एक्यूप्रेशर क्या है? एक्यूप्रेशर एक ऐसी तकनीक है, जिसके जरिए शरीर की बाहरी त्वचा पर हल्का दबाव डालकर ऊर्जा को संतुलित किया जा सकता है। इसके लिए हाथों की उंगलियों का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक दर्द और तनाव को कम करने, पाचन क्रिया को सुचारुने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। एक्यूप्रेशर की प्रक्रिया के दौरान शरीर में खून के प्रवाह को बढ़ाने के

साथ-साथ मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद मिल सकती है। एक्यूपंक्चर की प्रक्रिया कैसे होती है? एक्यूपंक्चर एक ऐसी पारंपरिक चीनी चिकित्सा है, जिसमें पतली सूई को त्वचा में

एक्यूप्रेशर में ऐसा नहीं होता। मालिश क्या है? मालिश एक शारीरिक तकनीक है, जिसमें हाथों से शरीर के हिस्सों को रगड़कर या दबाकर आराम दिया जाता है। मालिश अलग-अलग तरह से की जा सकती है, जैसे कि

इनके इस्तेमाल के लिए शरीर की ऊर्जा को संतुलित करना मुख्य उद्देश्य होता है। एक्यूप्रेशर के लिए हाथों की उंगलियों का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि एक्यूपंक्चर के लिए पतली सूई की जरूरत होती है। मालिश के लिए सिर्फ हाथों का इस्तेमाल होता है। इन तीनों तकनीकों का इस्तेमाल करने से दर्द को कम करने, तनाव को दूर करने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश को सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इनका सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। गलत तरीके से इनका इस्तेमाल करने पर चोट लगने या अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं या गर्भवती हैं तो इन तकनीकों का इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। इन तकनीकों का इस्तेमाल करने से पहले इनसे से पहले इनसे जुड़ी जानकारी अच्छी तरह पढ़ लें और किसी विशेषज्ञ की सलाह लें।



डालकर दबाया जाता है। यह प्रक्रिया शरीर के खास बिंदुओं पर की जाती है और माना जाता है कि इससे ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित करने में मदद मिलती है। एक्यूपंक्चर दर्द को कम करने, तनाव को दूर करने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक है। इस प्रक्रिया के दौरान सूई का इस्तेमाल करने की जरूरत होती है, जबकि

सिर की मालिश, पीठ की मालिश, पैरों की मालिश आदि। यह प्रक्रिया शरीर के खून के प्रवाह को बढ़ाने, मांसपेशियों को आराम देने और तनाव को कम करने में मदद कर सकती है। मालिश में किसी भी उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और मालिश तीनों तकनीकों अलग-अलग होती हैं, लेकिन

रश्मान देखने को मिला। निगिरी पीएसयू बैंक सबसे अधिक बड़त
स्मॉल कैप 100 इंडेक्स में 0.54 वाला सूचकांक रहा और इस्से 1

